प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद–मुरादाबाद।

पत्र संख्याः एस0पी0एम0यू0 / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / मुरादाबाद–मण्डल / 133 / 2019–20 / 9416 दिनांक– 12.02.2020

विषयः सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा चिन्हित गैप्स / समस्याओं के निराकरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के पत्रांक–एस0पी0एम0यू0 / एन0एच0एम0 / एम0एण्ड0ई0 / 2019–20 / 18 / 2867–2 दिनांक 01.07.2019 के अनुपालन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण दल द्वारा दिनांक 27 से 31 जनवरी, 2020 के मध्य जनपद–मुरादाबाद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया।

भ्रमण दल द्वारा आपके जनपद की चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से दिये गये सुझावों / चिन्हित गैप्स को पत्र के साथ संलग्न कर इस आशय से प्रेषित किया जा रहा है कि उन पर 15 दिवसों में आवश्यक कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से अद्योहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

भवदीया,

(जसजीत कौर)
अपर मिशन निदेशक

पत्रसंख्याः एस0पी0एम0यू0 / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / मुरादाबाद–मण्डल / 133 / 2019–20 / तद्दिनांक–

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
2. जिलाधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद–मुरादाबाद।
3. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मण्डल–मुरादाबाद को इस निर्देश के साथ की भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियों का निराकरण 15 दिवसों में सुनिश्चित करें।
4. समस्त विभागाध्यक्ष राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
5. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, मुरादाबाद।
6. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला लेखा प्रबन्धक एवं जिला अरबन कोऑडिनेटर, मुरादाबाद।

(डा0 अल्पना शर्मा)
महाप्रबन्धक–एफ0पी0
नोडल, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन टीम
मुरादाबाद मण्डल

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद–मुरादाबाद।

पत्र संख्याः एस0पी0एम0यू0 / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / मुरादाबाद–मण्डल / 133 / 2019–20 / दिनांक–12-02-2020

विषयः सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा चिन्हित गैप्स / समस्याओं के निराकरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के पत्रांक–एस0पी0एम0यू0 / एन0एच0एम0 / एम0एण्ड0ई0 / 2019–20 / 18 / 2867–2 दिनांक 01.07.2019 के अनुपालन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण दल द्वारा दिनांक 27 से 31 जनवरी, 2020 के मध्य जनपद–मुरादाबाद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया।

भ्रमण दल द्वारा आपके जनपद की चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से दिये गये सुझावों / चिन्हित गैप्स को पत्र के साथ संलग्न कर इस आशय से प्रेषित किया जा रहा है कि उन पर 15 दिवसों में आवश्यक कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से अद्योहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

भवदीया,

(जसजीत कौर)
अपर मिशन निदेशक

पत्रसंख्याः एस0पी0एम0यू0 / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / मुरादाबाद–मण्डल / 133 / 2019–20 / 9416-6 तद्दिनांक–

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
2. जिलाधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद–मुरादाबाद।
3. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मण्डल–मुरादाबाद को इस निर्देश के साथ की भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियों का निराकरण 15 दिवसों में सुनिश्चित करें।
4. समस्त विभागाध्यक्ष राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
5. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, मुरादाबाद।
6. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला लेखा प्रबन्धक एवं जिला अरबन कोऑडिनेटर, मुरादाबाद।

(डा0 अल्पना शर्मा)
महाप्रबन्धक–एफ0पी0
नोडल, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन टीम
मुरादाबाद मण्डल

जनपद मुरादाबाद की सहयोगात्मक पर्यवेक्षण रिपोर्ट

राज्य स्तरीय टीम

1. श्री अरविन्द सिंह, परामर्शदाता, पी0सी0पी0एन0डी0टी0
2. श्री महेन्द्र प्रताप सिंह, कार्यक्रम समन्वयक, एम0आई0एस0।

जनपद स्तरीय टीम

1. डॉ दीपक वर्मा, ए0सी0एम0ओ0 आर0सी0एच0/नोडल आर0आई0, मुरादाबाद।
2. श्री पंकज सक्सेना, मण्डलीय एफ0पी0एल0एम0आई0एस0।
3. डॉ आरिफ, जनपदीय क्वालिटी कन्सल्टेन्ट।
4. श्री प्रमोद कुमार, अरबन कोऑडिनेटर।

पर्यवेक्षण के दौरान आच्छादित की गई इकाईयॉ

1. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र – कुन्दरकी, मुरादाबाद।
2. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र – बिलारी, मुरादाबाद।
3. हेल्थ एवं वैलनेस सेंटर उप स्वास्थ्य केंद्र, ग्राम–ललवारा–कुन्दरकी, मुरादाबाद।
4. ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्र, उपकेन्द्र सहसपुर–1, बिलारी–मुरादाबाद।
5. जिला महिला चिकित्सालय, मुरादाबाद।
6. नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– मझोला, मुरादाबाद।
7. पोषण पुनर्वास केन्द्र, जिला चिकित्सालय, मुरादाबाद।

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में दो सदस्यीय टीम द्वारा दिनांक 27–31 जनवरी 2020 के मध्य जनपद मुरादाबाद का भ्रमण कर एल–3, एल–2 व एल–1 स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा सामुदायिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया। भ्रमण के उपरांत मुख्य चिकित्सा अधिकारी से सम्पर्क कर फीडबैक भी किया गया। भ्रमण रिपोर्ट निम्नानुसार है–

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– कुन्दरकी – प्रभारी चिकित्साधिकारी–डॉ राजपाल सैनी

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
चिकित्सा परिसर नया बना हुआ है तथा मुख्य द्वार पर गमलों में पौधारोपण कर परिसर को सुसज्जित किया गया है। परिसर में सभी कार्यक्रमों की आई०ई०सी० प्रदर्शित नहीं थी। चिकित्सालय जाने के रास्ते में निर्देशक या चेतावनी संकेतक या दिशा सूचक नहीं लगे पाये गये ।	परिसर में उचित स्थानों पर सभी कार्यक्रमों का प्रचार प्रसार जगह–जगह पूर्णतया प्रदर्शित किया जाना। चिकित्सालय जाने के रास्ते में निर्देशक या चेतावनी संकेतक या दिशा सूचक लगाया जाना उचित होगा।	चिकित्सा अधीक्षक
पीने के पानी की समुचित व्यवस्था पायी गयी। परिसर में कीटनाशक के छिड़काव की आवश्यकता बतायी गयी।	पीने के पानी एवं परिसर में कीटनाशक के छिड़काव की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये गये।	चिकित्सा अधीक्षक
परिसर के अन्दर शिकायत पेटिका लगी थी, किन्तु शिकायते नहीं पायी गयीं। शिकायत निवारण कमेटी का गठन रिकार्ड भी देखने को नही मिला।	शिकायत निवारण कमेटी का गठन व रिकार्ड मेण्टेन करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
साफ–सफाई		
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी।	नियमित रुप से परिसर की साफ–सफाई कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
एक्स–रे		
एक्स–रे की सुविधा उपलब्ध है, परन्तु टेक्नीशियन के पास लेड एप्रेन नही है।	टी0एल0डी0 बैच एवं लेड एप्रेन उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
आई0ई0सी0:–		
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड	चिकित्सा अधीक्षक

कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध थी, किन्तु पर्याप्त नहीं थी।	आई0ई0सी0 जनपद स्तर से प्राप्त कर यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	
पंजीकरण कक्ष के बाहर गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले नहीं था।	गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले करने व गर्भवती महिलाओं से पंजीकरण शुल्क न लिये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
जे0एस0वाई0 वार्ड में परिवार नियोजन से सम्बंधित आई0ई0सी0 उपलब्ध नही था।	जे0एस0वाई0 वार्ड में परिवार नियोजन से सम्बंधित आई0ई0सी0 की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।	चिकित्सा अधीक्षक
बायोमेडिकल वेस्ट–		
चिकित्सालय में Bins उपलब्ध थीं। डस्ट बिन में अलग–अलग रंग की पॉलीथिन थी। प्रसव कक्ष, आकस्मिक कक्ष एवं लैब के अन्दर पी.ई.पी. किट, 03 प्रकार के कलर कोडेड डस्टबीन, ब्लड स्पिल किट, पंक्चर प्रूफ कन्टेनर उपलब्ध थे। किसी भी कार्मिक द्वारा व्यक्तिगत बचाव उपकरण धारण नहीं किया गया था।	Colour Coded Bins की उपलब्धता सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया। स्वास्थ्य केन्द्र को प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्राधिकृत कराये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।	सम्बंधित स्टाफ एवं चिकित्सा अधीक्षक एवं मण्डलीय एफ0पी0 एंड एल0एम0
बायोमेडिकल वेस्ट की लाग बुक नियमानुसार नही भरे जा रहे थे। स्वास्थ्य केन्द्र के अधिकतर कर्मियों को बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट की समुचित जानकारी नही है।	सम्बंधित स्टाफ को बायोमेडिकल वेस्ट की लाग बुक नियमानुसार भरे जाने हेतु निर्देशित किया गया।	
बायोमेडिकल वेस्ट की एजेंसी मेडिकेयर एन्व्वायरमेंटल मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, गाजियाबाद के माह फरवरी, 2019 तक के बीजक का भुगतान किया गया था, जबकि प्राप्त बीजक माह नवम्बर, 2019 तक के भुगतान हेतु शेष थे। बायोमेडिकल वेस्ट हेतु पिट निर्माणाधीन है।	बायो मेडिकल वेस्ट अधिनियम 2016 का प्रशिक्षण आवश्यक रूप से आयोजित कराने हेतु सुझाव दिया गया। बायोमेडिकल वेस्ट की एजेंसी के ससमय भुगतान किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	
मातृत्व स्वास्थ्यः–		
प्रसव कक्षः– पी0पी0एच0के प्रबन्धन के बारे में स्टाफ नर्सों को जानकारी नहीं थी। रजिस्टर के अन्त में संक्षिप्त जानकारी प्रपत्र के बारे में उपस्थित स्टाफ नर्सो को भी उचित जानकारी नहीं थी। प्रसव कक्ष में समुचित प्रोटोकॉल प्रदर्शित नही था। हाई–रिस्क प्रेगनेंसी चिन्हित नहीं की जा रही थीं। प्रसव कक्ष के अन्दर, प्रसव कक्ष के दरवाजे पर एवं प्रसव कक्ष के सामने समुचित सफाई थी।	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व एस0बी0ए0 प्रोटोकॉल पोस्टर्स आदि लगवाने का सुझाव दिया गया। प्रत्येक माह के अन्त में माह की रिपोर्ट का अंकन करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही जानकारियाँ प्रदान की गईं। लेबर रूम स्टाफ को हाई रिस्क प्रेगनेंसी के विषय में बताया गया और इसके रिपोर्टिंग से क्या लाभ है उसके विषय में बताया गया एवं हाईरिस्क प्रेगनेंसी चिन्हित एवं उनका अभिलेखीकरण करने हेतु कहा गया।	लेबर रूम स्टाफ
कण्डोम बाक्स लगा था एवं कण्डोम पाये गये। मानकानुसार कंडोम बॉक्स नहीं लगे थे ।	कण्डोम बाक्स प्रतिदिन भरने का सुझाव दिया गया। मानकानुसार कंडोम बॉक्स लगाया जाना है ।	चिकित्सा अधीक्षक /फार्मासिस्ट
जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत लाभार्थियों को दिए जाने वाले भोजन का साईन बोर्ड समुचित प्रदर्शित नही था।	जे0एस0एस0के0 डाईट के अन्तर्गत लाभार्थियों को दिए जाने वाले भोजन की साईन बोर्ड समुचित प्रदर्शित कराने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
लेबर रूम में एक्पायरी मेडिसिन का	एक्पायरी मेडिसिन का रिकॉर्ड लेबर रूम	लेबर रूम स्टाफ

रिकॉर्ड नहीं पाया गया। लेबर रूम में एल्बो टैप लगा था। लेबर रूम में घड़ी भी नहीं लगी थी ।	में प्रदर्शित हेतु निर्देशित किया गया।	
पार्टोग्राफ का प्रयोग नही किया जा रहा था।	पार्टोग्राफ का प्रयोग सुनिश्चित किया जाये।	लेबर रूम स्टाफ
प्रसव कराने वाले स्टाफ एस0बी0ए0 में प्रशिक्षित नहीं थे।	प्रसव कार्य एस0बी0ए0 प्रशिक्षत ए0एन0एम0 द्वारा कराया जाये।	चिकित्सा अधीक्षक
ब्लीचिंग पाउडर घोल का प्रयोग किया जा रहा था।		
एच0एम0आई0एस0		
डाटा वैलिडेशन समिति की बैठक समुचित रूप से की जा रही है। एच0एम0आई0एस0 फॉर्मेट उपलब्ध एवं भरे हुये थे ।	डाटा वैलिडेशन समिति के सदस्यों के साथ बैठक की गयी व एच0एम0आई0एस0 पोर्टल के सभी सुचकांको पर हैन्ड होल्डिंग की गयी। परिवार नियोजन के सूचकांको को भी अद्यतन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	डाटा वैलिडेशन समिति के सदस्य
बायोमेट्रिक अटेण्डेन्स सिस्टम खराब था जिससे कर्मचारियों द्वारा मैनुअल अटेण्डेन्स की जा रही थी।	चिकित्सा अधीक्षक को तत्काल बायोमेट्रिक मशीन सही कराने हेतु निर्देशित किया गया। जिससे कि स्वास्थ्य इकाई के सभी कर्मियों द्वारा बायोमेट्रिक अटेण्डेन्स सिस्टम का उपयोग किया जाये।	चिकित्सा अधीक्षक
भ्रमण		
डी0आई0ओ0 द्वारा माह जनवरी, 2020 में स्वास्थ्य इकाई का भ्रमण किया गया था । जे0डी0 महोदय द्वारा माह दिसम्बर, 2019 में स्वास्थ्य इकाई का भ्रमण किया गया था।		

संलग्नक– चेकलिस्ट।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– बिलारी – प्रभारी चिकित्साधिकारी– डॉ संदीप गुप्ता

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
चिकित्सालय जाने के रास्ते में निर्देशक या चेतावनी संकेतक या दिशा सूचक नहीं लगे पाये गये ।	चिकित्सालय जाने के रास्ते में निर्देशक या चेतावनी संकेतक या दिशा सूचक लगाया जाना उचित होगा।	चिकित्सा अधीक्षक
पूरे परिसर में सभी स्थानों पर सुरक्षा के दृष्टिकोण एवं अराजक तत्वों की निगरानी हेतु सीसी टीवी कैमरा भी लगा हुआ था। इमरजेंसी सेवा देने हेतु चिकित्सालय परिसर के बाहर मुख्य द्वार पर सायरन की व्यवस्था की गयी है, जिससे कि ससमय चिकित्सा की सुविधा दी जा सके, जिसका एक बटन मुख्य द्वार पर तथा दुसरा बटन चिकित्सा अधीक्षक के कक्ष में है। सुरक्षा के दृष्टिकोण किसी भी प्रकार की आगजनी से निपटने हेतु फायर एक्स्टिंग्युसर की व्यवस्था भी उपलब्ध थी। किसी भी प्रकार का अनाउंसमेंट किये जाने हेतु चिकित्सा अधीक्षक के कक्ष में माइक लगा हुआ था जिसे पूरे परिसर में सभी स्थानों पर साउंड बॉक्स से सुना जा सकता था।	सीसी टीवी कैमरों का रख–रखाव भी समय–समय पर किया जाना है। अन्य स्वास्थ्य इकाईयों पर भी इमरजेंसी सेवा देने हेतु, इस तरह की सुविधा प्रदान की जानी चाहिये। फायर एक्स्टिंग्युसर को ससमय जाँच एवं रिफिल कराया जाना चाहिये।	चिकित्सा अधीक्षक
बायोमेट्रिक अटेण्डेन्स सिस्टम लगा हुआ है, परन्तु कर्मियों द्वारा पूर्णतया उपयोगित नहीं है।	स्वास्थ्य इकाई के सभी कर्मियों द्वारा बायोमेट्रिक अटेण्डेन्स सिस्टम का उपयोग किया जाना है एवं बायोमेट्रिक अटेण्डेन्स के माध्यम से मानदेय का भुगतान किया जाना है।	चिकित्सा अधीक्षक
आर०बी०एस० के० टीम की सदस्य डॉ0 पूनम	आर०बी०एस०के० टीम को दिशा निर्देशों का	मुख्य चिकित्साधिकारी

शर्मा, डॉ0 शिवांगी गौतम, डॉ0 नीरज यादव द्वारा माह जनवरी, 2020 की दैनिक उपस्थिति पंजिका में अनुपस्थित दर्ज होने के उपरान्त काट कर हस्ताक्षर किये जा रहे थे जो कि आपत्तिजनक है। आर०बी०एस०के० टीम द्वारा मूवमेंट रजिस्टर पूर्णतया भरा नहीं जा रहा था और न ही टीम के सदस्यों द्वारा हस्ताक्षर किया जा रहा था। टीम भ्रमण के दौरान विफस कार्यक्रम का अनुश्रवण नहीं कर रही है। आर०बी०एस०के० वाहन का माह सितम्बर, 2019 तक के बीजक का भुगतान किया गया था।	उल्लंघन किये जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायें। टीम के सदस्यों द्वारा विफस कार्यक्रम का अनुश्रवण नियमानुसार किये जाने के निर्देश दिये गए। आर०बी०एस०के० वाहन का ससमय भुगतान किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	/ चिकित्सा अधीक्षक /डी0ई0आई0सी0 मेनेजर
आर०बी०एस०के० टीम के सदस्यों द्वारा ड्यूटी के दौरान एप्रिन का प्रयोग नही किया जा रहा था।	ब्लॉक की दोनो टीमों के सदस्यों को ड्यूटी के समय एप्रिन का प्रयोग करने का निर्देश दिया गया।	डी0ई0आई0सी0 मेनेजर / चिकित्सा अधीक्षक
ब्लॉक की आर0बी0एस0के0 टीम टीम के पास अद्यतन रिकॉर्ड एवं मेडिकल किट उपलब्ध नही था।	आर0बी0एस0के0 टीम को फील्ड से वापस आकर उस दिन की अद्यतन प्रोग्रेस रिपोर्ट चिकित्सा अधीक्षक को प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।	डी0ई0आई0सी0 मेनेजर / चिकित्सा अधीक्षक
एक्स–रे		
एक्स–रे की सुविधा उपलब्ध है, परन्तु टेक्नीशियन के पास लेड एप्रेन नहीं है।	टी0एल0डी0 बैच एवं लेड एप्रेन उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
पीने के पानी की समुचित व्यवस्था पायी गयी। परिसर में कीटनाशक के छिड़काव की आवश्यकता बतायी गयी।	पीने के पानी एवं परिसर में कीटनाशक के छिड़काव की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये गये।	चिकित्सा अधीक्षक
परिसर के अन्दर शिकायत पेटिका लगी थी, किन्तु शिकायते नहीं पायी गयीं। शिकायत निवारण कमेटी का गठन रिकार्ड भी देखने को नही मिला।	शिकायत निवारण कमेटी का गठन व रिकार्ड मेण्टेन करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
साफ–सफाई		
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी।	नियमित रुप से परिसर की साफ–सफाई कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
आई0ई0सी0:–		
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध थी, किन्तु पर्याप्त नहीं थी।	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 जनपद स्तर से प्राप्त कर यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
पंजीकरण कक्ष के बाहर गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले नहीं था।	गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क पंजीकरण का डिस्प्ले करने व गर्भवती महिलाओं से पंजीकरण शुल्क न लिये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
जे0एस0वाई0 वार्ड में परिवार नियोजन से सम्बंधित आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं था।	जे0एस0वाई0 वार्ड में परिवार नियोजन से सम्बंधित आई0ई0सी0 की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।	चिकित्सा अधीक्षक
दवा वितरण कक्ष के ऊपर ई0डी0एल0 डिस्प्ले नही था।	दवा वितरण कक्ष के पास ई0डी0एल0 डिस्प्ले करवाने हेतु चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
बायोमेडिकल वेस्ट–		
चिकित्सालय में Colour Coded Bins उपलब्ध थीं। डस्ट बिन में अलग–अलग रंग की पॉलीथिन थी। प्रसव कक्ष, आकस्मिक कक्ष एवं लैब के अन्दर पी.ई.पी. किट, 03 प्रकार के कलर कोडेड डस्टबीन, ब्लड स्पिल किट,	Colour Coded Bins की उपलब्धता सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया। स्वास्थ्य केन्द्र को प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्राधिकृत कराये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।	सम्बंधित स्टाफ एवं चिकित्सा अधीक्षक एवं मण्डलीय एफ0पी0 एंड एल0एम0

पंक्चर प्रूफ कन्टेनर उपलब्ध थे। किसी भी कार्मिक द्वारा व्यक्तिगत बचाव उपकरण धारण नहीं किया गया था। बायोमेडिकल वेस्ट की लाग बुक नियमानुसार नहीं भरे जा रहे थे। स्वास्थ्य केन्द्र के अधिकतर कर्मियों को बायो मेडिकल बेस्ट मैनेजमेन्ट की समुचित जानकारी नहीं है। बायोमेडिकल वेस्ट हेतु कवर किया हुआ रूम निर्माणाधीन है, जिसे जल्द ही उपयोग में लाना है । बायोमेडिकल वेस्ट की एजेंसी मेडिकेयर एन्व्यायरमेंटल मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, गाजियाबाद के माह सितम्बर, 2019 तक के बीजक का भुगतान किया गया था, जबकि प्राप्त बीजक माह दिसम्बर, 2019 तक के भुगतान प्रक्रियाधीन थे।	सम्बंधित स्टाफ को बायोमेडिकल वेस्ट की लाग बुक नियमानुसार भरे जाने हेतु निर्देशित किया गया। बायो मेडिकल वेस्ट अधिनियम 2016 का प्रशिक्षण आवश्यक रूप से आयोजित कराने हेतु सुझाव दिया गया। बायोमेडिकल वेस्ट की एजेंसी के ससमय भुगतान किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	
जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा भ्रमण के दौरान सभी कार्यक्रमों की समीक्षा नहीं की जा रही है और न ही निर्धारित चेक लिस्ट भरी जा रही हैं । मोनिटरिंग एवं इवैल्यूएशन के वाहन का मार्च, 2019 तक के बीजक का भुगतान किया गया था।	मोनिटरिंग एवं इवैल्यूएशन के वाहन का ससमय भुगतान किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	नोडल अधिकारी एम०एण्ड ई०/मुख्य चिकित्सा अधिकारी
जे0एस0एस0के0 डाइट का रिकॉर्ड निर्धारित प्रारूप पर नही भरा जा रहा था।	जे0एस0एस0के0 डाइट रजिस्टर में मानकानुसार कॉलम की संख्या की हेतु निर्देशित किया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
कोल्ड चेन रूम में पर्याप्त जगह उपलब्ध थी एवं दीवारों पर टाइल लगी हुयी थी। कोल्ड चेन रूम में एक खिड़की का कांच टुटा हुआ था, जिससे दुर्गन्ध एवं डस्ट आ रही थी । कोल्ड चेन रूम में आई०ई० सी० प्रदर्शित थी।	नियमानुसार व्यवस्था सुनिश्चित की जायें।	चिकित्सा अधीक्षक
30 बिस्तर वाली एम0सी0एच0 विंग में क्रियाशील पायी गयी है जिसमें ओ0टी0 एवे लेबर रूम संचालित हो रहा था। पुरानी बिल्डिंग में ओ0टी0 एवं अन्य कक्ष खाली पड़े हुये है।	पुराने खाली पड़े हुये ओ0टी0 एवं अन्य कक्ष में ओ0पी0डी0 एवं मीटिंग हाल संचालित किये जाने हेतु के लिये निर्देशित किया गया ।	चिकित्सा अधीक्षक
मातृत्व स्वास्थ्यः–		
30 शैया मैटरनिटी विंग परिसर से लगा हुआ है। मैटरनिटी विंग हेतु समुचित रोड की आवश्यकता प्रतीत होती है।	समुचित व्यवस्था किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
प्रसव कक्षः– पी0पी0एच0के प्रबन्धन के बारे में स्टाफ नर्सो को जानकारी नहीं थी। रजिस्टर के अन्त में संक्षिप्त जानकारी प्रपत्र के बारे में उपस्थित स्टाफ नर्सो को भी उचित जानकारी नहीं थी। प्रसव कक्ष में समुचित प्रोटोकॉल प्रदर्शित नही था। हाई–रिस्क प्रेगनेंसी चिन्हित नहीं की जा रही थीं।	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व एस0बी0ए0 प्रोटोकॉल पोस्टर्स आदि लगवाने का सुझाव दिया गया। प्रत्येक माह के अन्त में माह की रिपोर्ट का अंकन करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही जानकारियॉ प्रदान की गईं। लेबर रूम स्टाफ को हाई रिस्क प्रेगनेंसी के विषय में बताया गया और इसके रिपोर्टिंग से क्या लाभ है उसके विषय	लेबर रूम स्टाफ

प्रसव कक्ष के अन्दर, प्रसव कक्ष के दरवाजे पर एवं प्रसव कक्ष के सामने समुचित सफाई थी।	में बताया गया एवं हाईरिस्क प्रेगनेंसी चिन्हित एवं उनका अभिलेखीकरण करने हेतु कहा गया।	
प्रसव कक्ष में किसी लेबर टेबल पर तकिया उपलब्ध नही थी	समुचित तकिया उपलब्ध कराने हेतु कहा गया।	फार्मासिस्ट
प्रसव कक्ष में लेबर टेबल पर कैलिस पैड पन्चर पाया गया।	नवीन कैलिस पैड उपलब्ध कराने हेतु फार्मासिस्ट को निर्देशित किया गया।	फार्मासिस्ट
30 शैया मैटरनिटी विंग में हैण्ड मेड कण्डोम बाक्स लगा था एवं कण्डोम पाये गये।	मानकानुसार कण्डोम बाक्स उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। कण्डोम बाक्स प्रतिदिन भरने का सुझाव दिया गया।	फार्मासिस्ट
जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत लाभार्थियों को दिए जाने वाले भोजन का साईन बोर्ड समुचित प्रदर्शित नही था।	जे0एस0एस0के0 डाईट के अन्तर्गत लाभार्थियों को दिए जाने वाले भोजन की साईन बोर्ड समुचित प्रदर्शित कराने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
लेबर रूम में एक्पायरी मेडिसिन का रिकॉर्ड नहीं पाया गया। लेबर रूम में एल्बो टैप लगा था। लेबर रूम में घड़ी कियाशील नही थी ।	एक्पायरी मेडिसिन का रिकॉर्ड लेबर रूम में प्रदर्शित हेतु निर्देशित किया गया।	लेबर रूम स्टाफ
पार्टोग्राफ का प्रयोग नही किया जा रहा था।	पार्टोग्राफ का प्रयोग सुनिश्चित किया जाये।	लेबर रूम स्टाफ
प्रसव कराने वाले स्टाफ एस0बी0ए0 में प्रशिक्षित नहीं थे।	प्रसव कार्य एस0बी0ए0 प्रशिक्षित ए0एन0एम0 द्वारा कराया जाये।	चिकित्सा अधीक्षक
ब्लीचिंग पाउडर घोल का प्रयोग किया जा रहा था।		
पैथोलॉजी में 21 प्रकार की जाँचे की जा रही थी एवं जाँचे प्रदर्शित थी। हीमोग्लोबिन टेस्ट हेतु उपलब्ध टेस्ट स्ट्रिप्स एक्सपायरी डेट की पायी गयी।	आवश्यक सामग्री हेतु नियमानुसार कार्यवाही एवं व्यवस्था सुनिश्चित की जायें।	चिकित्सा अधीक्षक
औषधि स्टोर में भण्डारण व्यवस्थित पायी गयी तथा दवाओं को रैक में व्यवस्थित रूप से रखा गया था । औषधि के वितरण हेतु रजिस्टर भरा जाना चाहिए।	नियमानुसार व्यवस्था सुनिश्चित की जायें।	चिकित्सा अधीक्षक / फार्मासिस्ट
फायर स्प्रिंकलर सिस्टम स्थापित किये जाने हेतु सम्बंधित फर्म द्वारा लोहे के पाइपों का ढेर परिसर के बाहर लगा हुआ था एवं बिजली की वायरिंग अधूरी हुई थी ।	फायर सिस्टम का कार्य यथाशीघ्र पूर्ण किये जाने हेतु पत्र मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से राज्य स्तर पर प्रेषित कराने हेतु निर्देशित किया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी / चिकित्सा अधीक्षक
स्वास्थ्य इकाई पर रात्रि में आने वाले प्रसव के लिए पैथोलॉजी टेस्ट की व्यवस्था नही थी।	रात्रि काल में भी पैथोलॉजी टेस्ट की व्यवस्था हेतु निर्देश दिये गये।	मुख्य चिकित्साधिकारी / चिकित्सा अधीक्षक
योगी कल्याण सहायता मद से किया गया व्यय, एजेन्सी को बिना वर्क ऑडर के किया गया।	भविष्य में किसी भी एजेन्सी / वेण्डर को कार्य आवंटित करने से पूर्व प्रस्तावित कार्य का कार्यादेश निर्गत करने एवं कार्य के सापेक्ष भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया	चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सालय में भर्ती मरीजो से वार्ता की गयी जिससे संज्ञान में आया की जे0एस0एस0के0 कार्यक्रम के अन्तर्गत चिकित्सालय में भर्ती समस्त मरीजो को तीनो समय की डाइट (ब्रेक फास्ट / लन्च / डिनर) नही दी जा रही	जे0एस0एस0के0 कार्यक्रम के अन्तर्गत चिकित्सालय में भर्ती समस्त मरीजो को तीनो समय की डाइट (ब्रेक फास्ट / लन्च / डिनर) समुचित तरीके से देने हेतु निर्देशित किया गया एवं वेण्डर को डाइट का भुगतान प्रति	चिकित्सा अधीक्षक / ब्लॉक एकाउन्ट मैनेजर

• हाई रिस्क प्रेगनेन्सी रजिस्टर उपलब्ध था व मानकानुसार एच0आर0पी0 चिन्हित किये गये थे। एम0सी0टी0एस0कार्ड में कुछ जानकारियॉ अधूरी थीं। • प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में जानकारी थी। • अनटाइड फण्ड सम्बन्धी रजिस्टर ए०एन०एम० के पास उपलब्ध थे। • ड्यू लिस्ट उपलब्ध थी। 10 बच्चों को सेवायें दी जा चुकी थी। • 4 लाभार्थियों को ए0एन0सी0 चेकअप की सेवायें प्रदान की गयी थीं। • माइको प्लॉन उपलब्ध नही था। • रनिंग वाटर सप्लाई पॉवर बैक–अप इकाई पर उपलब्ध नही है।	गया। माइको प्लान बनाने एवं सत्र के दौरान	
• वी0एच0एन0डी0 सत्र पर बैनर डिस्प्ले नहीं किया गया था।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को वी0एच0एन0डी0 के बैनर 28 फरवरी 2020, तक समस्त ए0एन0एम0 को उपलब्ध कराने की समय सीमा तय की गई।	इस सम्बन्ध में निर्देश जारी किये जा चुके है।

संलग्नक– चेकलिस्ट ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्र की चेकलिस्ट उपकेन्द्र सहसपुर–1,ब्लॉक–बिलारी

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– मझोला, प्रभारी चिकित्साधिकारी– डॉ अर्चना यादव।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
स्वास्थ्य केंद्र पुराने भवन में स्थापित था एवं बारिश में जलभराव की भी समस्या बनी रहती है, जिसके कारण दीवारों में सीलन व्याप्त थी। स्वास्थ्य केंद्र में सभी कार्यक्रमों की आई०ई० सी० प्रदर्शित नहीं थी। चिकित्सालय जाने के रास्ते में निर्देशक या चेतावनी संकेतक या दिशा सूचक नहीं लगे पाये गये। पीने के पानी हेतु आर0 ओ0 की समुचित व्यवस्था पायी गयी। हॉस्पिटल बायोवेस्ट हेतु डिस्पोजल कलर बिन लगी थी ।	नियमानुसार व्यवस्था एवं रख–रखाव सुनिश्चित की जायें।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
स्वास्थ्य केंद्र किराये के भवन में संचालित हो रही थी। स्वास्थ्य केंद्र पुराने भवन में स्थापित था एवं बारिश में जलभराव की भी समस्या बनी रहती है, जिसके कारण दीवारों में सीलन व्याप्त थी। स्वास्थ्य केंद्र के भवन में जगह की कमी के कारण बगल के दो कमरे और लेने हेतु कार्यवाही की जा रही है । प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि बड़ी जगह के लिये प्रयास किये जा रहे हैं, परन्तु स्वास्थ्य इकाई के संचालन हेतु नवीन जगह नही मिल रही हैं।	ए0सी0एम0ओ0 आर0सी0एच0 को सुझा. दिया गया कि नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र के संचालन हेतु कोई दूसरी जगह की व्यवस्था करें।	ए0सी0एम0ओ0 आर0सी0एच0
लेबर रूम का कक्ष अव्यवस्थित था एवं ऊपर के रैक पर टूटी कुर्सियों एवं अन्य सामग्री रखी हुयी थी। लेबर रूम में हैण्ड वॉश की उचित व्यवस्था नहीं उपलब्ध थी एवं ना ही प्रचार प्रसार	नियमानुसार व्यवस्था सुनिश्चित की जायें।	प्रभारी चिकित्साधिकारी

थी।	व्यक्ति के हिसाब से न कर प्रति डाइट के हिसाब से करने हेतु निर्देशित किया गया।	
एच0एम0आई0एस0		
डाटा वैलिडेशन समिति की बैठक समुचित रूप से की जा रही थी। एच0एम0आई0एस0 फॉर्मेट उपलब्ध एवं भरे हुये थे ।	डाटा वैलिडेशन समिति के सदस्यों के साथ बैठक की गयी व एच0एम0आई0एस0 पोर्टल के सभी सुचकांको पर हैन्ड होल्डिंग की गयी। परिवार नियोजन के सूचकांको को भी अद्यतन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	डाटा वैलिडेशन समिति के सदस्य
भ्रमण		
डी0आई0ओ0 द्वारा माह जनवरी, 2020 में स्वास्थ्य इकाई का भ्रमण किया गया था । जे0डी0 महोदय द्वारा माह दिसम्बर, 2019 में स्वास्थ्य इकाई का भ्रमण किया गया था।		

संलग्नक– चेकलिस्ट।

हेल्थ एवं वैलनेस सेंटर उप स्वास्थ्य केंद्र, ग्राम–ललवारा–कुन्दरकी, रंजीत सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
स्वास्थ्य इकाई पुराने भवन में स्थापित है तथा विद्युत की भी व्यवस्था नहीं उपलब्ध है । स्वास्थ्य इकाई के रास्ते में निर्देशक या चेतावनी संकेतक या दिशा सूचक नहीं लगे पाये गये । परिसर में कार्यक्रमों की आई०ई०सी० प्रदर्शित थी।	स्वास्थ्य इकाई हेतु नया भवन निकट में ही निर्माणाधीन है, इकाई को कुछ माह में ही नये भवन में शिफ्ट किया जाना है ।	नोडल अधिकारी / चिकित्सा अधीक्षक
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी।	नियमित रुप से परिसर की साफ–सफाई कराये जाने का सुझाव दिया गया।	नोडल अधिकारी / चिकित्सा अधीक्षक
परिसर के अन्दर शिकायत पेटिका लगी थी, किन्तु शिकायते नहीं पायी गयीं। शिकायत निवारण कमेटी का गठन रिकार्ड भी देखने को नही मिला।	शिकायत निवारण कमेटी का गठन व रिकार्ड मेण्टेन करने का सुझाव दिया गया।	नोडल अधिकारी / चिकित्सा अधीक्षक
TRUEHb हीमोमीटर हेतु उपलब्ध टेस्ट स्ट्रिप्स एक्सपायरी डेट की पायी गयी। टेस्ट स्ट्रिप्स की आपूर्ति कुछेक माह पहले ही स्वास्थ्य इकाई पर की गयी थी।	एक्सपायरी डेट की दवाओं एवं अन्य सामग्री हेतु नियमानुसार कार्यवाही एवं व्यवस्था सुनिश्चित की जायें।	नोडल अधिकारी / चिकित्सा अधीक्षक

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्र

उपकेन्द्र सहसपुर–1, (ब्लॉक– बिलारी)

ए०एन०एम० – श्रीमती शीला देवी

निरीक्षण आख्या :–

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• उपकेन्द्र पुराने भवन में स्थापित है। बारिश होने के कारण उपकेन्द्र के सामने जलभराव था। • हैण्ड मेड कण्डोम बाक्स लगा था एवं कण्डोम पाये गये। • पॉवर बैकअप हेतु इन्वर्टर की भी व्यवस्था थी, जो कि समुचित व्यवस्था ना होने के कारण चोरी हो गया । • वेइंग मशीन, बी० पी० मशीन, हिमोग्लोबिनोमीटर एवं अन्य उपकरण उपलब्ध थे । • ए० एन० सी० चेक अप हेतु व्यवस्था वी0एच0एन0डी0 सत्र पर उपलब्ध थी।	नियमानुसार व्यवस्था एवं रख–रखाव सुनिश्चित की जायें। अधूरी जानकारियॉ भ्रमण के दौरान पूर्ण करायी गयीं। ए0एन0एम0 को अन्टाइन्ड फण्ड से पॉवर बैक–अप हेतु इन्वरटर की व्यवस्था हेतु निर्देशित किया	चिकित्सा अधीक्षक / सम्बन्धित ए०एन०एम०

प्रदर्शित थे। वेंटिलेशन की भी समुचित व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। लेबर रूम से शौचालय लगा हुआ नहीं था। लेबर रुम में न्यू बॉर्न कार्नर उपलब्ध नही है।		
स्वास्थ्य इकाई पर प्रसव की सुविधा नही दी जा रही है, केवल ए0एन0सी0 एवं ओ0पी0डी0 का कार्य किया जा रहा हैं। ओ०पी०डी० रजिस्टर में लाभार्थियों का कोई पहचान पत्र/आधार संख्या अथवा मोबाइल नंबर नहीं लिखा जा रहा है, जिससे आने वाले लाभार्थियों का वेरिफिकेशन किया जाना संभव नहीं है।	नियमानुसार व्यवस्था एवं रख–रखाव सुनिश्चित की जायें।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
शिकायत एवं सुझाव पेटिका उपलब्ध थी । परिसर के अन्दर शिकायत पेटिका लगी थी, किन्तु शिकायते नहीं पायी गयीं। शिकायत निवारण कमेटी का गठन रिकार्ड भी देखने को नही मिला।	शिकायत निवारण कमेटी का गठन व रिकार्ड मेण्टेन करने का सुझाव दिया गया।	अर्बन हेल्थ कोर्डिनेडर
नगरीय स्वास्थ्य इकाई पर 01 चिकित्सक, 01 फार्मासिस्ट, 01 स्टाफ नर्स, 01 वार्ड आया, 01 स्वीपर एवं 01 एल0टी0 पोस्टेड है। स्टाफ नर्स सुश्री शिवानी को जानकारी का अभाव था। प्रभारी चिकित्साधिकारी, डॉ0 रिजवान द्वारा स्वास्थ्य केंद्र, नगीना का अतिरिक्त कार्यभार किया जा रहा है।	स्टाफ नर्स शिवानी की दक्षता ट्रेनिंग हो चुकी है लेकिन वह प्रसव कराने में सक्षम नही हैं। स्टाफ नर्स शिवानी की एस0बी0ए0 ट्रेनिंग कराने हेतु निर्देशित किया गया, जिससे कि इकाई पर प्रसव का कार्य शुरू किया जा सके।	ए0सी0एम0ओ0 आर0सी0एच0
ए0एन0सी0, पी0एन0सी0 एवं रेफरल इन व आउट प्रिन्टिंग रजिस्टर नही पाये गये।	अर्बन हेल्थ कोर्डिनेडर का रजिस्टर प्रिन्ट कराकर समस्त नगरीय स्वास्थ्य इकाईयों पर उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।	अर्बन हेल्थ कोर्डिनेडर
मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा 4 जनवरी, 2020 में स्वास्थ्य इकाई का भ्रमण किया गया था ।		

संलग्नक– चेकलिस्ट।

जिला पुरुष चिकित्सालय, मुरादाबाद।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
पोषण पुनर्वास केंद्र		
पुरुष चिकित्सालय में संचालित एन०आर०सी० का संचालन काफी प्रशंसनीय तरीके से किया जा रहा है। मौके पर सभी कर्मचारी उपस्थित पाए गये। एन०आर०सी० में पर्याप्त जगह की उपलब्धता है अस्पताल में कार्यरत बाल रोग विशेषज्ञ द्वारा नियमित रूप से एन०आर०सी० में विजिट की जाती है । निरीक्षण के समय में 5 बच्चे भर्ती थे । माह दिसम्बर, 2019 में बेड आक्यूपेन्सी रेट 89 प्रतिशत था। 21 दिसम्बर, 2019 से 20 जनवरी, 2020 की अवधि के मध्य 26 बच्चे आये, जिनमें से 9 बच्चे पोषण पुनर्वास केंद्र में रुक कर सुविधा ली तथा बाकी 17 बच्चे रुकने में असमर्थ रहे। बच्चों के मनोरंजन के लिये एक एल०ई०डी० टी०वी० लगा हुआ था। बच्चों के खेलने के लिये प्ले एरिया एवं नये खिलौने	नियमानुसार कार्यवाही एवं व्यवस्था सुनिश्चित की जायें।	मुख्य चिकित्साधिकारी /मुख्य चिकित्सा अधीक्षक

उपलब्ध कराया जाना है। स्टाफ के अनुसार पर्दों एवं मेट की आवश्यकता है। रसोई घर की छत में पानी रिसने से सीलन आ रही है, जिससे रखी सामग्री के खराब होने की समस्या बनी रहती है।		
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम		
जनपद स्तर पर मोनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन ऑफिसर का पद रिक्त है। जनपद स्तर पर माह अप्रैल, 2019 से माह दिसम्बर, 2019 तक कुल 5383 मरीज देखे गये, जिसमें कुल नये मरीज 946 एवं कुल 4437 मरीज का फॉलो अप किया गया। टीम ने अपनी आउटरीच गतिविधियों का माइक्रोप्लान निर्धारित किया है। प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा कार्यक्रम की समीक्षा एवं अनुश्रवण नहीं जाता है। प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शुकवार को जिला चिकित्सालय में मरीज देखे जाते हैं तथा प्रत्येक मंगलवार एवं बृहस्पतवार को सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 पर मरीज देखे जाते हैं।	नियमानुसार कार्यवाही एवं व्यवस्था सुनिश्चित की जायें।	मुख्य चिकित्साधिकारी /मुख्य चिकित्सा अधीक्षक

जिला महिला चिकित्सालय– मुरादाबाद

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
स्वास्थ्य इकाई में हॉस्पिटल मैनेजर एवं हेल्प डिस्क मैनेजर का पद रिक्त है जिस कारण स्वास्थ्य सुविधाएं प्रभावित हो रही है।	अधीक्षक महोदया को सुझाव दिया गया कि रिक्त पदों की सूचना राज्य स्तर पर प्रेषित कर दें। जिससे कि ससमय पदों के सापेक्ष तैनाती की जा सके।	चिकित्सा अधीक्षिका
रिफरेल सिस्टम व्यवस्थित पाया गया एवं रिकार्ड अद्यतन एवं अपडेट पाया गया।	रिफरेल सिस्टम को सुदृढ़ किये जाने हेतु सुझाव दिया गया एवं रिफरेल इन व आउट का रिकार्ड अलग–अलग व्यवस्थित करने हेतु निर्देशित किया गया।	
जे0एस0एस0के0 कार्यक्रम के अन्तर्गत भर्ती सभी लाभार्थियों को डाइट प्रदान की जा रही थी।		
बी0एच0टी0/केस शीट पूरी नही भरी जा रही थी।	तत्काल बी0एच0टी0 के सभी कालमों को समझकर उनको पूर्णरूप से भरने हेतु निर्देशित किया गया ताकि भविष्य में मरीज को कुछ समस्या होती है तो उसे बी0एच0टी0 की सहायता ली जा सके।	प्रसव कक्ष की स्टॉफ नर्स
परिसर में भ्रमण के दौरान साफ–सफाई सराहनीय पायी गयी।		
फायर स्प्रिंकलर सिस्टम स्थापित किये जाने हेतु सम्बंधित फर्म द्वारा लोहे के पाइपों का ढेर परिसर में लगा हुआ था।	फायर सिस्टम का कार्य यथाशीघ्र पूर्ण किये जाने हेतु राज्य स्तर पर पत्र प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया।	चिकित्सा अधीक्षिका
लेबर रूम में मानकानुरूप 07 ट्रे उपलब्ध थी। 02 लेबर टेबिल के बीच में पार्टीशियन किया गया था। प्रसव कक्ष में सभी चीजें निर्धारित मानकों के अनुरूप थी।		
पार्टोग्राफ भरा जा रहा था एवं समस्त स्टॉफ नर्सों पार्टोग्राफ की समुचित जानकारी थी।		
चिकित्सालय में विनस उपलब्ध थी। डस्टबिन में अलग–अलग रंग की पॉलिथिन प्रयोग की		

जा रही थी। प्रसवकक्ष, आकस्मिक कक्ष एवं पैथोलॉजी लैब के अन्दर पी0ई0पी0 किट 03 प्रकार के कलर कोडेड डस्टबिन, स्पिल किट, पन्चर प्रूफ कन्टेनर उपलब्ध थे। बायोमेडिकल बेस्ट की लॉग बुक नियमानुसार अपडेट की जा रही थी। स्वास्थ्य केन्द्र के अधिकतर कर्मियों को बायोमेडिकल बेस्ट की समुचित जानकारी थी।		
ए0एन0सी0, पी0एन0सी0 एवं जनरल वार्ड में साफ–सफाई पायी गयी लेकिन समुचित आई0ई0सी0 की आवश्यकता है।	आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने हेतु निर्देशित किया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिक्षिका

जनपद मुरादाबाद के स्वास्थ्य ईकाइयों की व्यय की स्थिति–

जनपद स्तर पर 31 दिसम्बर, 2019 की ब्लॉक वार समीक्षा के अनुसार माह अप्रैल, 19 से माह दिसम्बर, 2019 तक के अनुमोदित बजट एवं कमिटेड बजट के सापेक्ष माह दिसम्बर, 2019 तक किये गये व्यय की स्थिति निम्नवत है :–

S. No.	Name of Block	Allocation	Committed	Total	Exp-Dec, 2019	%
1	Thakurdwara	226.35	15.55	241.90	147.05	60.79
2	Bilari	212.82	41.09	253.91	169.82	66.88
3	Kanth	182.15	11.70	193.85	159.69	82.38
4	Mundapandy	206.11	18.67	224.78	171.83	76.44
5	Bhojpur	200.15	31.01	231.17	167.17	72.32
6	Dilari	201.81	24.78	226.59	161.35	71.21
7	Kunderki	194.45	19.16	213.61	146.40	68.54
8	Tajpur	175.46	22.86	198.32	150.56	75.92

स्वास्थ्य इकाईयों के भ्रमण के उपरान्त जनपद के मुख्य चिकित्सा अधीकारी एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आर0सी0एच0) को भ्रमण में पायी गयी कमियों को अवगत कराया गया साथ ही जिला रैकिंग एवं वित्तीय प्रगति पर भी चर्चा की गयी।

तत्कम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आर0सी0एच0) द्वारा अश्वासन दिया गया कि चिकित्सा इकाईयों में पाये गये गैप को एक माह में पूर्ण करा देगें तथा इकाईवार पायी गयी कमियों के साथ अन्य सभी स्वास्थ्य इकाईयों पर भी सुधारात्मक कार्यवाही की जायेगी।

10/02/2020
महेन्द्र प्रताप सिंह
(कार्यक्रम समन्वयक,एम0आई0एस0)

10/02/2020
अरविन्द सिंह
(कन्सल्टेंट,पी0सी0पी0एन0डी0टी0)

10/2/2020